

भविष्यवाणी की यात्रा

4

व्यवस्था और मेमने

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

पृथ्वी पर सबसे बड़ा ज्ञात उल्कापिंड होबा है। अंतरिक्ष चट्टान की खोज 1920 में संयोगवश हुई जब अफ्रीका के नामीबिया में एक किसान का हल धातु की वस्तु से टकराया। उत्सुकतावश, उसने लगभग नौ फीट चौड़े एक विशाल लोहे के उल्कापिंड की खोज के लिए ऊपरी मिट्टी को हटाया। हालाँकि अध्ययन के लिए आंशिक रूप से खुदाई की गई, लेकिन 66 टन के भारी वजन के कारण अनजान वस्तु को उसके मूल खोज स्थान से कभी नहीं हटाया गया। 1955 में राष्ट्रीय स्मारक घोषित यह अनोखा खजाना हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

परमेश्वर के वचन, उसकी व्यवस्था और स्वयं मसीह की तुलना अक्सर एक अचल और अविनाशी चट्टान से की जाती है जो दुष्टों को कुचल देगी (व्यवस्थाविवरण 32:3, 4; मती 7:24, 25; लूका 20:17, 18)। फिर भी, साथ ही, बाइबल परमेश्वर को करुणामय, धैर्यवान, क्षमाशील और दयालु उद्धारकर्ता के रूप में वर्णित करती है (निर्गमन 34:5-7)। कई लोगों ने पूछा है कि क्या पुराने नियम का परमेश्वर यीशु और नए नियम के परमेश्वर के समान है?

विशेषकर भविष्यवाणियों में हम तस्वीरों का विरोधाभास देखते हैं। एक स्थान पर, यीशु को एक नम्र, मुक्तिदाता मेमने के रूप में चित्रित किया गया है—लेकिन कुछ अध्यायों के बाद, मसीह दुष्टों पर भयंकर क्रोध को अंजाम देने के लिए एक विजयी राजा के रूप में आता है (प्रकाशितवाक्य 5:6; 19:15)।

तो हम परमेश्वर की इन दो विरोधाभासी प्रतीत होने वाली तस्वीरों में कैसे सामंजस्य स्थापित करें? क्या परमेश्वर प्रतिशोधी और क्रोधी है—या वह दयालु और क्षमाशील है? हम परमेश्वर की प्रेममयी दया को उसकी व्यवस्था और न्याय



के साथ कैसे मेल कर सकते हैं? बाइबल का सावधानीपूर्वक, प्रार्थनापूर्ण अध्ययन व्यवस्था और अनुग्रह के बीच एक सुंदर संतुलन को प्रकट करता है-प्रकाशितवाक्य के शेर और मेमने के बीच एक सामंजस्य।

» जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें...



प्रकाशितवाक्य 5:6 में मेमना किसका प्रतीक है??

यूहन्ना 1:29 दूसरे दिन यूहन्ना ने _____ को अपनी ओर आते देखकर कहा, “देखो, यह परमेश्वर का _____ है जो जगत का पाप उठा ले जाता है।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य में केंद्रीय चरित्र परमेश्वर का मेमना है-जिसका 27 बार उल्लेख किया गया है! जब परमेश्वर ने इब्राहीम की परीक्षा अपने पुत्र इसहाक को बलिदान के रूप में चढ़ाने के लिए कहकर ली, तो इब्राहीम ने अपने पुत्र से कहा, “परमेश्वर स्वयं एक मेमना प्रदान करेगा” (उत्पत्ति 22:8 केजेवी)। मिस्र में फसह के मेमने से लेकर और पूरे पुराने नियम में, एक मेमना एक शुद्ध और निर्दोष बलिदान का प्रतिनिधित्व करता था। बाइबल की भविष्यवाणियाँ इस कोमल प्राणी को यीशु के प्रतीक के रूप में उजागर करती हैं, जिसकी मृत्यु मानवता के लिए एकमात्र आशा होगी।



यीशु के लिए कष्ट सहना और मरना क्यों आवश्यक था?

रोमियों 3:23 इसलिये कि _____ पाप किया है।

रोमियों 6:23 क्योंकि पाप की मजदूरी तो _____ है।

1 कुरिन्थियों 15:3 यीशु मसीह _____ पापों के लिये मर गया।

1 पतरस 3:18 इसलिये कि मसीह ने भी, अर्थात् _____ के लिये _____ ने, पापों के कारण एक बार दुःख उठाया।

ध्यान दें: बाइबल अमूल्य है क्योंकि यह हमें बताती है कि दुनिया में पाप कैसे आया और इसे कैसे दूर किया जाएगा। भविष्यवाणी कहती है कि परमेश्वर अपनी सृष्टि में पाप की कुरूपता को अधिक समय तक सहन नहीं करेगा। पाप का दंड मृत्यु है। और जब आदम और हव्वा ने पाप किया, तो पाप

की बीमारी पूरी मानव जाति में फैल गई। परमेश्वर की व्यवस्था और उसे तोड़ने का दंड बदला नहीं जा सकता था, इसलिए सभी लोग बर्बाद हो गए।

परन्तु परमेश्वर अपने स्वरूप में सृजे गए लोगों से अलग होना बर्दाश्त नहीं कर सकता था। इसलिए, अविश्वसनीय प्रेम का प्रदर्शन करते हुए, उसने अपने बेटे को हमारे स्थान पर कष्ट सहने और मरने के लिए दुनिया में भेजा। आपके पाप और मृत्युदंड उस पर डाल दिए गए। यदि आप उसे स्वीकार करना और उसका अनुसरण करना चुनते हैं, तो आप दंड से मुक्त हो जाते हैं।



प्रकाशितवाक्य लोगों को मृत्यु से बचाने की इस योजना को क्या कहता है?

प्रकाशितवाक्य 14:6 जिसके पास पृथ्वी पर के रहनेवालों की हर एक जाति, और कुल, और भाषा, और लोगों को सुनाने के लिये सनातन _____ था।

ध्यान दें: परमेश्वर की उद्धार की योजना को सुसमाचार कहा जाता है, जिसका अर्थ है “अच्छी खबर।” यह लोगों तक पहुंचाई गई अब तक की सबसे अद्भुत खबर है! यीशु ने पूरी दुनिया के पापों के लिए कष्ट उठाया और मर गया ताकि किसी को भी पाप के भयानक दंड से बचाया जा सके। लेकिन उसके बलिदान से लाभ उठाने के लिए हमें कुछ करना चाहिए। बाइबल हमें समस्या और समाधान बताती है।



बाइबल के अनुसार, पाप क्या है—और हम इसे कैसे पहचानते हैं?

1 यूहन्ना 3:4 पाप तो _____ का _____ है।

रोमियों 3:20 इसलिये कि _____ के द्वारा पाप की पहिचान होती है।

ध्यान दें: परमेश्वर की व्यवस्था मानवता के लिए उसकी सिद्ध इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है। शैतान व्यवस्था से नफरत करता है क्योंकि यह हमें पाप से छुटकारे के लिए मुक्तिदाता की हमारी आवश्यकता के बारे में जागरूक करती है। रोमियों 4:15 कहता है, “जहाँ व्यवस्था नहीं वहाँ उसका उल्लंघन भी नहीं।” व्यवस्था किसी को नहीं बचा सकती, लेकिन यह हमें परमेश्वर की पूर्णता और हमारी अपूर्णता दिखाती है।

कोई भी पाप जो व्यक्ति करता है उसकी निंदा दस आज्ञाओं में से कम से कम एक के द्वारा की जाती है। यही कारण है कि परमेश्वर की व्यवस्था को “विस्तार” (भजन संहिता 119:96) और “स्वरी” (भजन संहिता 19:7) कहा जाता है। इसमें “मनुष्य के संपूर्ण कर्तव्य” को शामिल किया गया है (सभोपदेशक 12:13)। (इस पाठ में, शब्द “व्यवस्था” मुख्य रूप से दस आज्ञाओं को संदर्भित कर रहा है। ऐसे कई अनुष्ठानिक व्यवस्थाएं थीं जो मसीह की ओर इशारा करती थीं; वे आवश्यकताएं उसकी मृत्यु पर समाप्त हो गईं।)



क्या परमेश्वर की नैतिक व्यवस्था को बदला या निरस्त किया जा सकता है?

लूका 16:17 आकाश और पृथ्वी का _____
व्यवस्था के एक बिन्दु के मित जाने से सहज है।

भजन संहिता 89:34 मैं अपनी वाचा _____ तोड़ूँगा, और जो मेरे
मुँह से निकल चुका है, उसे _____ बदलूँगा।

भजन संहिता 111:7, 8 उसके सब उपदेश विश्वासयोग्य हैं, वे
_____ अटल रहेंगे।

मलाकी 3:6 क्योंकि मैं यहोवा _____ नहीं।

ध्यान दें: नहीं! किसी भी परिस्थिति में परमेश्वर की व्यवस्था को संशोधित या निरस्त नहीं किया जा सकता है। यह स्वयं परमेश्वर के समान ही स्थायी है। उसने पूरे राष्ट्र के सामने दस आज़ाएँ ऊँची आवाज में बोलीं और फिर इन निर्देशों की स्थायी प्रकृति पर जोर देने के लिए उन्हें अपनी उंगली से पत्थर पर लिखा। परमेश्वर की व्यवस्था, संक्षेप में, लिखित रूप में उसका चरित्र है। परमेश्वर की व्यवस्था को बदलना स्वयं परमेश्वर को बदलने से अधिक संभव नहीं है।



क्या यीशु ने दस आज़ाओं का पालन किया?

यूहन्ना 15:10 मैंने अपने पिता की आज़ाओं को _____ है।

1 पतरस 2:22 _____ तो उसने पाप किया और न उसके मुँह से छल की कोई बात निकली।

ध्यान दें: सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, एक मसीही यीशु की शिक्षाओं और उदाहरण का अनुयायी है। उसने हमारे लिए एक आदर्श के रूप में सभी दस आज़ाओं का पूरी तरह से पालन किया (यूहन्ना 15:10; 1 यूहन्ना 2:6:)। यदि परमेश्वर की व्यवस्था बदली जा सकती, तो यीशु को क्रूस पर मरना आवश्यक नहीं होता। यह तथ्य कि यीशु को हमारे पापों के लिए मरना पड़ा, इस बात का प्रमाण है कि व्यवस्था अपरिवर्तनीय है!



क्या नए नियम के मसीहियों को दस आज्ञाओं का पालन करना आवश्यक है?

मत्ती 19:17 यदि तू जीवन में प्रवेश करना चाहता है, तो आज्ञाओं को _____ कर।”

यूहन्ना 14:15 यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को _____ ।

प्रकाशितवाक्य 14:12 पवित्र लोगों का धीरज इसी में है, जो परमेश्वर की आज्ञाओं को _____ ... हैं।

प्रकाशितवाक्य 22:14 धन्य हैं वे जो उसकी आज्ञाओं को _____ हैं। (अंग्रेजी बाइबल के अनुसार)

ध्यान दें: हाँ! नया नियम स्पष्ट रूप से सिखाता है कि परमेश्वर के लोग उसकी आज्ञाओं का पालन करेंगे। हम सभी जानते हैं कि दुनिया आज बड़े संकट में है क्योंकि बहुत से लोग, यहाँ तक कि कुछ कथित मसीही भी, अब यह महसूस नहीं करते कि परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करना महत्वपूर्ण है। बाइबल हमारे समय के बारे में कहती है, “वह समय आया है, कि यहोवा काम करे, क्योंकि लोगों ने तेरी व्यवस्था को तोड़ दिया है।” (भजन संहिता 119:126)।



नई और पुरानी वाचा में क्या अंतर है?

व्यवस्थाविवरण 4:13 और उसने तुम को अपनी वाचा के _____ बताकर उनके मानने की आज्ञा दी; और उन्हें पत्थर की दो पटियाओं पर लिख दिया।

इब्रानियों 8:8, 10 पर वह _____ दोष लगाकर कहता है ... मैं इस्राएल के घराने के साथ, और यहूदा के घराने के साथ नई वाचा बाँधूँगा ... मैं अपनी _____ को उनके मनों में डालूँगा, और उसे उनके _____ पर लिखूँगा।

ध्यान दें: दो वाचाएं परमेश्वर और उसके लोगों के बीच समझौतों का प्रतिनिधित्व करती हैं। पुरानी वाचा विफल हो गई क्योंकि यह आंशिक रूप से व्यवस्था का पालन करने के लिए पापी लोगों के

दोषपूर्ण वादों पर आधारित थी: “जो कुछ यहोवा ने कहा है उस सब को हम करेंगे, और उसकी आज्ञा मानेंगे।” (निर्गमन 24:7)। नई वाचा सफल हुई क्योंकि यह हमारे हृदयों में अपनी व्यवस्था लिखने के यीशु के वादे पर आधारित है। चूँकि व्यक्ति का स्वभाव बदल जाता है, इसलिए परमेश्वर की इच्छा पूरी करना आनंददायक हो जाता है। नई वाचा अभी भी उसी व्यवस्था पर आधारित है, लेकिन यह एक अलग जगह (हृदय) में लिखी गई है और बेहतर वादों (परमेश्वर के) पर आधारित है।



जब हमें परिवर्तित किया जाता है और एक नया हृदय दिया जाता है तो इसे क्या कहा जाता है?

यूहन्ना 3:7 तुझे _____ से
_____ अवश्य है।

ध्यान दें: इस गौरवशाली अनुभव को एक नए जन्म के रूप में जाना जाता है, क्योंकि एक नवजात शिशु की तरह, हम एक नया जीवन शुरू करते हैं—हमारे अभिलेख पर अपराध का एक भी दाग बिना।



क्षमा पाने और पाप से शुद्ध होने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

प्रेरितों के काम 3:19 इसलिये, _____ और
लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ।

1 यूहन्ना 1:9 यदि हम अपने पापों को _____, तो वह हमारे पापों को
क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।

ध्यान दें: सच्चे पश्चाताप का अर्थ पाप के लिए दुःखी होना और उससे दूर होने की इच्छा दोनों है (नीतिवचन 28:13)। स्वीकारोक्ति पश्चाताप का एक आवश्यक हिस्सा है। परमेश्वर के विरुद्ध पापों को उसके सामने स्वीकार किया जाना चाहिए। किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध पापों को उस व्यक्ति के सामने स्वीकार करना चाहिए (मत्ती 5:24)। बाइबल में कहीं भी नहीं कहा गया है कि हमें किसी पादरी के सामने पाप स्वीकार करने की आवश्यकता है।



नये सिरे से जन्मे मसीही के हृदय में कौन प्रवेश करता है—और वह क्या करता है?

यूहन्ना 14:17 सत्य का _____ ... तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह
तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा।

फिलिप्पियों 2:13 अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के _____ प्रभाव डाला है।

ध्यान दें: यीशु अपनी पवित्र आत्मा के माध्यम से एक मसीही में निवास करता है! वह हमारे हृदयों को परिवर्तित करता है, हमारी इच्छाओं को बदलता है, और वह हमें उसकी इच्छा पूरी करने की शक्ति देता है।



परमेश्वर ने हमारे लिए इतना अद्भुत बलिदान क्यों दिया—और हम इसे कैसे स्वीकार करते हैं?

यूहन्ना 3:16 क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा _____ रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया।

प्रेरितों के काम 16:31 _____ पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।

यूहन्ना 1:12 परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की _____ होने का अधिकार दिया।

ध्यान दें: सबसे मजबूत सांसारिक बंधन एक बच्चे के लिए माता-पिता का प्रेम है। जब परमेश्वर पिता अपने पुत्र, यीशु को हमारे स्थान पर कष्ट सहने और मरने की अनुमति देने के लिए तैयार था, तो उसने सबसे शक्तिशाली भाषा में प्रदर्शित किया कि वह हम में से प्रत्येक से कितना प्रेम करता है। यीशु की उद्धार की पेशकश एक वरदान है (रोमियों 6:23)। आपका हिस्सा यह विश्वास करना है कि यह सत्य है और विश्वास द्वारा वरदान प्राप्त करना है।



क्या व्यवस्था का पालन करने से कोई उद्धार पाता है?

इफिसियों 2:8, 9 क्योंकि विश्वास के द्वारा _____ ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है; और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है, और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।

ध्यान दें: परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने से कोई भी नहीं बचता है। परमेश्वर के चमत्कार करने वाले अनुग्रह से सभी बचाए गए हैं। लेकिन जो लोग यीशु के अनुग्रह से बचाए गए हैं—यानी परिवर्तित हो गए हैं, वे अपने प्रेम और धन्यवाद की अभिव्यक्ति के रूप में उनकी व्यवस्था का पालन करना चाहेंगे। “यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे।” (यूहन्ना 14:15)।



14 क्या यह सच नहीं है कि एक बार जब हम अनुग्रह से बच जाते हैं, तो व्यवस्था का पालन करना आवश्यक नहीं रह जाता है?

रोमियों 3:31 तो क्या हम व्यवस्था को विश्वास के द्वारा व्यर्थ ठहराते हैं? कदापि नहीं! वरन् _____ को _____ करते हैं।

रोमियों 6:15 क्या हम इसलिये पाप करें कि हम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हैं? कदापि _____ !

ध्यान दें: नहीं—हजार बार, नहीं! परमेश्वर का अनुग्रह हमें उसकी व्यवस्था का उल्लंघन करने के लिए स्वतंत्र नहीं करता है बल्कि हमें उसकी आज्ञाओं का पालन करने के लिए सशक्त बनाता है। जिन लोगों को यीशु ने उसकी व्यवस्था को तोड़ने के लिए क्षमा कर दिया है, वे उसका पालन करने के लिए बाध्य हैं। और उसकी क्षमा सुनिश्चित करने के लिए उसने जो कीमत चुकाई, उसे महसूस करते हुए, वे यीशु का अनुसरण करने के लिए दूसरों की तुलना में अधिक इच्छुक हैं।



15 क्या मैं उसकी आज्ञाओं का पालन किये बिना सच्चा मसीही बन सकता हूँ?

1 यूहन्ना 2:3, 4 यदि हम उसकी आज्ञाओं को _____, तो इससे हम जान लेंगे कि हम उसे जान गए हैं। जो कोई यह कहता है, "मैं उसे जान गया हूँ," और उसकी आज्ञाओं को नहीं मानता, वह _____ है।

मत्ती 7:21 जो मुझ से, 'हे प्रभु! हे प्रभु!' कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर _____ है।



16 अंत के दिनों में शैतान विशेष रूप से किससे घृणा करता है?

प्रकाशितवाक्य 12:17 तब अजगर _____ [कलीसिया] पर क्रोधित हुआ, और उसकी शेष सन्तान से [अंत समय के वफादार], जो परमेश्वर की _____ को मानते और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं।

ध्यान दें: शैतान परमेश्वर के अंत समय की कलीसिया से नफरत करता है और क्रोधित है, जो यीशु की आज्ञाओं का पालन करती है और लोगों को सिखाती है कि एक पापी को संत में बदलने के लिए दिव्य शक्ति है।



एक व्यक्ति को परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने के लिए क्या प्रेरित करता है?

रोमियों 13:10 इसलिये _____ रखना व्यवस्था को पूरा करना है।

मत्ती 22:37-39 “तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे _____ और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख।” बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है। और उसी के समान यह दूसरी भी है कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

1 यूहन्ना 5:3 क्योंकि परमेश्वर का _____ यह है कि हम उसकी आज्ञाओं को मानें; और उसकी आज्ञाएँ कठिन नहीं।

ध्यान दें: प्रेम शानदार प्रेरक है! पहली चार आज्ञाएँ परमेश्वर के प्रति हमारे कर्तव्य से संबंधित हैं। जब आप उससे प्रेम करते हैं, तो उन आज्ञाओं का पालन करना आनंददायक होता है। अंतिम छह आज्ञाएँ लोगों के प्रति हमारे कर्तव्य को शामिल करती हैं। यदि आप लोगों से सच्चा प्रेम करते हैं, तो आप ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहेंगे जिससे उन्हें ठेस पहुंचे।



मसीह को स्वीकार करने और परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने के कुछ शानदार पुरस्कार क्या हैं?

यूहन्ना 15:11 मैंने ये बातें तुम से इसलिये कही हैं, कि मेरा आनन्द तुम में बना रहे, और तुम्हारा _____ पूरा हो जाए।

नीतिवचन 29:18 जो व्यवस्था को मानता है, वह _____ होता है।

भजन संहिता 119:165 तेरी व्यवस्था से प्रीति रखनेवालों को बड़ी _____ होती है; और उनको कुछ ठोकर नहीं लगती।

ध्यान दें: खुशी, आनन्द, शांति और अधिक प्रचुर जीवन उन लोगों को मिलता है जो परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करते हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि दाऊद ने कहा कि परमेश्वर की आज्ञाएँ सोने से भी अधिक मनोहर हैं (भजन संहिता 19:10)।

» आपका जवाब

क्या अब आप अपने को बचाने और उसकी शिक्षाओं का पालन करने की यीशु की योजना को स्वीकार करने का निर्णय लेंगे-या, शायद, इस निर्णय को नवीनीकृत करने का?

उत्तर: _____



आगे का अध्ययन

क्या पुराने नियम के कुछ कानून अब नए नियम के मसीहियों पर बाध्यकारी नहीं हैं?

हाँ! मूसा ने दस आज्ञाओं और अन्य कानूनों के बीच अंतर किया जब उसने समीक्षा की कि ये दो कानून कैसे दिए गए थे: “और उसने तुम को अपनी वाचा के दसों वचन बताकर उनके मानने की आज्ञा दी; और उन्हें पत्थर की दो पट्टियों पर लिख दिया। और मुझ को यहोवा ने उसी समय तुम्हें विधि और नियम सिखाने की आज्ञा दी, इसलिये कि जिस देश के अधिकारी होने को तुम पार जाने पर हो उसमें तुम उनको माना करो।” (व्यवस्थाविवरण 4:13, 14)। ध्यान दें कि कैसे मूसा ने उन दस आज्ञाओं को, जिनकी आज्ञा परमेश्वर ने तुम्हें दी थी, उन विधियों से अलग कर दिया जिनकी आज्ञा परमेश्वर ने इस्राएल को देने के लिए मुझे दी थी। एक अन्य पद्य में, परमेश्वर इस भेद को सुदृढ़ करता है ताकि कोई संदेह न रह जाए: “वे मेरी सब आज्ञाओं के और मेरे दास मूसा के द्वारा दी हुई पूरी व्यवस्था के अनुसार करने की चौकसी करें” (2 राजाओं 21:8)। स्पष्ट रूप से, “वह व्यवस्था जिसकी आज्ञा...मूसा ने दी थी” उस व्यवस्था के अतिरिक्त थी जिसकी आज्ञा “[परमेश्वर ने] दी थी।” दस आज्ञाओं और मूसा की व्यवस्था के अलग-अलग लेखक थे, अलग-अलग सामग्रियों पर अलग-अलग समय पर लिखे गए थे, अलग-अलग स्थानों पर रखे गए थे, और उनका विषय काफी हद तक अलग था।

तो, जब मसीह ने अपनी सांसारिक सेवकाई पूरी की तो कौन सी व्यवस्था समाप्त कर दी गई? पौलुस इफिसियों 2:15 में बताता है, “व्यवस्था जिसकी आज्ञाएँ विधियों की रीति पर थीं, मिटा दिया है।” याजकता और बलिदान प्रणाली को नियंत्रित करने वाली आज्ञाओं और पर्व के दिनों को समाप्त कर दिया गया है क्योंकि वे मसीह की छाया मात्र थे (कुलुस्सियों 2:13-17)। उसने उन्हें परमेश्वर के सच्चे मेमने के रूप में पूरा किया। प्रेरित ने यह भी कहा कि खतना, परमेश्वर की नैतिक व्यवस्था से अलग, अब आवश्यक नहीं है: “न खतना कुछ है और न खतनारहित, परन्तु परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना ही सब कुछ है” (1 कुरिन्थियों 7:19)।

आज्ञाओं का पालन करना कैसे संभव है?

जब कोई व्यक्ति नये सिरे से जन्म लेता है, तो यीशु मसीह, अपनी पवित्र आत्मा के माध्यम से, उस व्यक्ति के जीवन में आता है और चमत्कारिक ढंग से आज्ञाकारिता को संभव बनाता है। “जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा” (फिलिप्पियों 1:6)। यीशु पर पूरी तरह भरोसा रखें, और वह आपको परमेश्वर की इच्छा पूरी करने में मदद कर सकता है! “जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ” (फिलिप्पियों 4:13)।

ध्यान दें:

हमारे **मुफ्त** ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के साथ
बाइबल के महान सत्य की खोज करें



AMAZING
BIBLE STUDIES

AmazingBibleStudies.com





AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

भविष्यवाणी
की यात्रा
पाठ 4



AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org